सत्यमेव जयते

स्कूल शिक्षा विभाग–राजस्थान सरकार

(प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा)

स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटी एज्यूकेशन

बाल केन्द्रित शिक्षण

सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन

अध्यापक योजना डायरी

कक्षा : 3, 4 व 5 : गणित

सत्र :.....

विद्यालय का नाम : .....

शिक्षक / शिक्षिका का नाम : .....

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

पढ़े चलो, बढ़े चलो

RASHTRIYA MADHYAMIK SHIKSHA ABHIYAN

अध्यापक योजना डायरी के बारे में

- दैनिक शिक्षण योजना, अवलोकन एवं सतत आकलन हेतु शिक्षक स्वयं की एक साधारण डायरी संधारित करें।
- कक्षा से सम्बन्धित पाठ्यक्रम, टर्मवार अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठों के अधिगम उद्देश्य/कार्य की प्राथमिक स्तर के लिए विषयवार अलग से पुस्तिका दी गई है। विषय से सम्बन्धित योजना बनाते समय इस पुस्तिका का उपयोग किया जाएगा।
- प्रत्येक शिक्षक को विद्यालय समय–सारणी में निर्धारित विषय के अनुसार योजना डायरी संधारित करनी होगी। इस योजना डायरी में विद्यार्थियों के नाम, कक्षा के बच्चों के समूहों का विवरण, योजना समीक्षा एवं रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट सम्मिलित हैं। इनका क्रमवार विस्तारित विवरण आगामी बिन्दुओं में दिया गया है।
- सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों के नाम एवं रोल नं. डायरी में सम्बन्धित कक्षा की शुरुआत वाले पृष्ठ पर लिखे जाएंगे। विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर में लिखे गए क्रमानुसार इस पत्रक पर नाम लिखना है।
- अधिगम स्तर के अनुसार समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य – हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को आधार रेखा आकलन या अन्तिम योगात्मक आकलन से प्राप्त सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति एवं उसके अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करके, दिए गए प्रपत्र में दर्ज करना है। आधार रेखा आकलन कक्षा–2 से किया जाना है। यहाँ कक्षा को दो समूहों में देखा जा रहा है जिसका विवरण नीचे उल्लेखित है।
- शिक्षण–आकलन योजना – इस प्रारूप में क्रमशः पाठ/इकाई, अवधारणा/थीम, कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य, शिक्षण कार्य (सामूहिक कार्य, उपसमूहों में कार्य एवं व्यक्तिगत कार्य) एवं सतत आकलन गतिविधियों से संबंधित बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इनके तहत पाठ्यक्रम के अनुरूप योजना का निर्माण किया जाना अपेक्षित है। यहाँ ''सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य'' से तात्पर्य पाठ या अवधारणा से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्यों को व्यापक रूप में लिखने से है।
- ''समूह–1 क्षमता संर्वधन'' हेतु योजना से तात्पर्य है कि कक्षा के समकक्ष अध्ययनरत विद्यार्थियों की क्षमता संवर्धन के लिए योजना का निर्धारण करना।
- ''समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य'' से तात्पर्य नामांकित कक्षा से नीचे की कक्षाओं के स्तर पर लेखन, पठन एवं गणित से संबंधित बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए योजना के तहत विशेष अधिगम उद्देश्य निर्धारित किए जाने से है।
- सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति– इसके अंतर्गत बच्चों के सीखने की स्थिति को, कक्षा–कक्षीय शिक्षण के दौरान संग्रहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को समेकित करते हुए समय–समय पर आकलन सूचकों के सापेक्ष प्रत्येक टर्म में दो बार दर्ज करना है।
- प्रथम टर्म के अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष निर्धारित आकलन सूचकों में से बुनियादी अवधारणाओं के सापेक्ष आकलन के सूचकों को आगे की टर्म की चैकलिस्ट में भी सम्मिलित किया गया है ताकि पूर्व की टर्म में बच्चे बुनियादी अवधारणाओं के अधिगम उद्देश्यों पर अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो उनका आकलन आगे की टर्म में भी किया जा सकेगा। तीन टर्म में काम करने के बाद चतुर्थ टर्म में बच्चों का सम्पूर्ण अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष वार्षिक समेकित आकलन दर्ज करना है।
- सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति के लिए दी गई चैकलिस्ट में प्रत्येक कक्षा के अधिकतम 30 बच्चों का आकलन दर्ज किया जा सकता है। चैकलिस्ट की सबसे ऊपर की पंक्ति में बच्चों का क्रमांक लिखा गया है जो कि डायरी में लिखे गए बच्चों के नाम के क्रम में होगा।
- बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट में बच्चों का नाम– अध्यापक योजना डायरी में लिखे गए नामों के क्रमांक के अनुसार लिखा जाएगा। (उदाहरण के तौर पर यदि क्रमांक 8, 10 व 15 के बच्चे निर्धारित कक्षा से पीछे हैं तो उन्हीं बच्चों का वही क्रमांक दर्ज किया जाएगा।)
- बुनियादी दक्षताओं से संबंधित चैकलिस्ट को चतुर्थ टर्म की चैकलिस्ट के बाद सम्मिलित किया गया है। जिसमें बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति को प्रत्येक टर्म में दर्ज करना है। इन बच्चों के कक्षा स्तर के अन्य अधिगम क्षेत्रों/कौशलों पर आधारित क्षमताओं के अन्तर्गत आए सूचकों जिन पर सम्पूर्ण कक्षा की योजना में कार्य किया गया है, के सापेक्ष अधिगम स्थिति को ही टर्म की चैकलिस्ट में दर्ज किया जाना है।
- सतत रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट में आकलन A, B एवं C ग्रेड द्वारा दर्ज किया जाएगा जिसका विवरण निम्नानुसार है– A= स्वतंत्र रूप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना; B= शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना तथा C= शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना है।

कक्षा : 3

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1			11			21		
2			12			22		
3			13			23		
4			14			24		
5			15			25		
6			16			26		
7			17			27		
8			18			28		
9			19			29		
10			20			30		

कक्षा–3: प्रथम टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
चीज़ों के तलों को द्विआयामी आकृतियों की रचना से खोज पाना। (ट्रेस करना)	I																														
	II																														
घन व घनाभाकार चीज़ों का पृष्ठीय विकास कर पाना। (द्विआयाम में खोल कर पृष्ठीय विकास करना)	I																														
	II																														
परिवेशीय चीज़ों को ऊपर से व सामने से देखने पर कैसी दिखेंगी, इसे विजुअलाइज़ कर पाना।	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
1 से 200 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना।	I																														
	II																														
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंको तक की संख्याओं का निरूपण कर पाना, विस्तारित रूप में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और तुलना कर पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
दो अंकों तक की संख्याओं का बिना हाँसिल का जोड़ संख्या रेखा पर कर पाना।	I																														
	II																														
दो अंकों तक की संख्याओं का हाँसिल का जोड़ स्थानीयमान की मदद से संख्या रेखा पर कर पाना।	I																														
	II																														
संख्या चार्ट की मदद से दो अंकों की संख्याओं का जोड़ना समझ के साथ कर पाना।	I																														
	II																														
संख्या चार्ट की मदद से दो अंकों की संख्याओं का घटाना समझ के साथ कर पाना।	I																														
	II																														
मापन की समझ																															
अमानक इकाइयों की मदद से लम्बाई का मापन कर तुलना कर पाना।	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

कक्षा–3 : द्वितीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
संख्या ज्ञान की समझ																															
1 से 500 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना।	I																														
	II																														
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण कर पाना, विस्तारित रूप में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और तुलना कर पाना।	I																														
	II																														
ठोस में इकाई, दहाई व सैंकड़े को समझते हुए सैंकड़े तक की संख्या का अनुमान लगा पाना एवं निरूपण कर पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
दो अंकों तक की संख्याओं का बिना हाँसिल का जोड़ संख्या रेखा पर कर पाना।	I																														
	II																														
दो अंकों तक की संख्याओं का हाँसिल का जोड़ स्थानीयमान की मदद से संख्या रेखा पर कर पाना।	I																														
	II																														
हाँसिल के जोड़ पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल कर पाना।	I																														
	II																														
उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया को हल कर पाना।	I																														
	II																														
मापन की समझ																															
अमानक इकाइयों की मदद से भार, धारिता व लम्बाई का मापन कर तुलना कर पाना।	I																														
	II																														
अमानक इकाइयों में भार का अनुमान लगा पाना एवं भार के बढ़ते–घटते क्रम में चीज़ों को रख पाना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
इनडोर खेलों के स्कोर तथा सड़क से गुजरे वाहनों के आंकड़ों को संकलित कर व्यवस्थित कर पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

द्वितीय टर्म तक सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																														
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																														
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																														
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																														
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																														
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																														
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																														
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																														
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																														
गणित के प्रति रुझान																														
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																														
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																														
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–3 : तृतीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
परिवेशीय चीज़ों एवं उनके चित्रों में सममति आकृति को पहचानना एवं सममिति की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
1 से 500 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना।	I																														
	II																														
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण कर पाना, विस्तारित रूप में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और तुलना कर पाना।	I																														
	II																														
ठोस में इकाई, दहाई व सैंकड़े को समझते हुए सैंकड़े तक की संख्या का अनुमान लगा पाना एवं निरूपण कर पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
दो एवं तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हाँसिल व हाँसिल का जोड़ना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।	I																														
	II																														
दो एवं तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना उघार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
हॉसिल के जोड़ पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया को हल कर पाना।	I																														
	II																														
उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया को हल कर पाना।	I																														
	II																														
मापन की समझ																															
500 रुपये तक दैनिक जीवन में लेन–देन पर आधारित समस्याएं हल कर पाना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
परिवेश में उपलब्ध चीज़ों में बने पैटर्न जैसे– कपड़ों पर बने डिज़ाइन तथा चित्रों के पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें आगे बढ़ा पाना।	I																														
	II																														
संख्याओं में संक्रियाओं से बने पैटर्न खोज पाना एवं आगे बढ़ा पाना। (सरलतम प्रारम्भिक स्तर)	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–3 : चतुर्थ टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

चतुर्थ टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
घन व घनाभाकार चीज़ों का पृष्ठीय विकास कर पाना। (द्विआयामी में खोल कर बना पाना)	I																														
	II																														
परिवेशीय चीज़ों को ऊपर से व सामने से देखने पर कैसी दिखेंगी, इसे विजुअलाइज़ कर पाना।	I																														
	II																														
सरलतम आकृतियों को परिवेशीय चीज़ों व उनके चित्रों में सममिति को खोज पाना एवं अधूरे चित्र सममिति के आधार पर पूरे कर पाना।	I																														
	II																														
सममिति पर आधारित कलात्मक कार्य कर पाना। (मुखौटे, वस्तु चित्र, नृत्य मुद्राएं आदि)	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
1 से 500 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना।	I																														
	II																														
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण करना, विस्तारित रूप में लिख पाना, संख्या पढ़ना और तुलना कर पाना।	I																														
	II																														
ठोस में इकाई, दहाई व सैंकड़े को समझते हुए सैंकड़े तक की संख्या का अनुमान लगा पाना एवं निरूपण कर पाना।	I																														
	II																														
ठोस चीज़ों एवं दैनिक जीवन के अनुभवों पर आधारित घटनाओं के माध्यम से आधे की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
दो एवं तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हाँसिल व हाँसिल का जोड़ना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।	I																														
	II																														
दो एवं तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना उघार व उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
हाँसिल के जोड़ पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया को हल कर पाना।	I																														
	II																														
उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया को हल कर पाना।	I																														
	II																														
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बनाने एवं 2 से 5 तक पहाड़े बनाने तथा गुणन खण्डों की प्रारम्भिक समझ रख पाना।	I																														
	II																														
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।	I																														
	II																														
परिचित संदर्भों से भाग की अवधारणात्मक समझ (बराबर–बराबर बांटकर) रख पाना।	I																														
	II																														
मापन की समझ																															
अमानक इकाइयों की मदद से भार, धारिता, क्षेत्रफल व लम्बाई का मापन कर तुलनाएँ कर पाना।	I																														
	II																														
500 रुपये तक दैनिक जीवन में लेन–देन पर आधारित समस्याएं हल कर पाना।	I																														
	II																														
कैलेण्डर को पढ़कर माह, सप्ताह व दिवस के बारे में बता पाना एवं घटनाओं को क्रम में दे पाना।	I																														
	II																														
नैट (ग्राफ) पर बनी आकृतियों के क्षेत्रफलों की तुलना खाने गिनकर कर पाना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
परिवेश में उपलब्ध चीज़ों में बने पैटर्न जैसे– कपड़ों पर बने डिज़ाइन तथा चित्रों के पैटर्न खोज पाना एवं आगे बढ़ा पाना।	I																														
	II																														
संख्याओं में संक्रियाओं से बने पैटर्न खोजना एवं आगे बढ़ा पाना। (सरलतम प्रारम्भिक स्तर)	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा – 1	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	आवत्ति																													
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़ की पहचान कर प्रश्न को हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर घटाव की पहचान कर प्रश्न को हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													

कक्षा – 2	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	आवत्ति																													
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
**दहाई में दहाई के बिना हाँसिल के जोड़ पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
दहाई में दहाई के बिना उधार के घटाने पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													

चतुर्थ टर्म तक सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																														
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																														
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																														
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																														
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																														
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																														
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																														
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																														
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																														
गणित के प्रति रुझान																														
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																														
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																														
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा : 4

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1			11			21		
2			12			22		
3			13			23		
4			14			24		
5			15			25		
6			16			26		
7			17			27		
8			18			28		
9			19			29		
10			20			30		

कक्षा–4 : प्रथम टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना।	I																														
	II																														
सरल अमूर्त आकृतियों में सममिति खोज पाना। जैसे– अंग्रेजी वर्ण एवं शब्द, रोमन संख्यांक आदि।	I																														
	II																														
आइने की सहायता से चित्रों एवं डिज़ाइन का सममित अक्ष खोज पाना।	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
अपेक्षाकृत बढ़ते स्तर पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण एवं संख्याओं की तुलना की समझ स्थानीयमान के तर्क के आधार पर बना पाना।	I																														
	II																														
गिनती के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– पुस्तकालय में अमुक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ पाना आदि।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
तीन अंकों की संख्याओं में हाँसिल के जोड़ पर आधारित आंकिक व इबारती प्रश्न कलन विधि से हल करना।	I																														
	II																														
तीन अंकों की संख्याओं में उधार के घटाने पर आधारित आंकिक व इबारती प्रश्न कलन विधि से हल करना।	I																														
	II																														
गुणा व भाग की प्रारम्भिक समझ बना पाना तथा दैनिक जीवन की सरल समस्याएँ हल कर पाना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
चित्रों एवं आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न (पाठ्य सामग्री के अनुसार) खोज पाना एवं आगे बढ़ा पाना।	I																														
	II																														
विविध भौतिक राशियों के मापन सम्बन्धी आँकड़े संकलित करना एवं व्यवस्थित कर तुलना कर पाना।	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–4 : द्वितीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना।	I																														
	II																														
सरल अमूर्त आकृतियों में सममिति खोजना। जैसे– अंग्रेजी वर्ण एवं शब्द, रोमन संख्यांक एवं आइने की सहायता से चित्रों एवं डिज़ाइन में सममित अक्ष खोज पाना।	I																														
	II																														
अपेक्षाकृत बड़ी एवं थोड़ी जटिल आकृति वाली चीज़ों के टॉप व्यू व साइड़ व्यू विजुअलाइज़ कर पाना। जैसे– बस व घर	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
अपेक्षाकृत बढ़ते स्तर पर तीन अंकों तक की संख्याओं की पुख्ता समझ बना पाना।	I																														
	II																														
999 तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
तीन अंकों की संख्याओं में हाँसिल का जोड़ मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।	I																														
	II																														
तीन अंकों की संख्याओं के लिए जोड़ पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर हल करना।	I																														
	II																														
तीन अंकों की संख्याओं में उधार का घटाना मानक प्रचलित कलन विधि से करना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
तीन अंकों की संख्याओं में उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर हल करना।	I																														
	II																														
गुणा व भाग की प्रारम्भिक समझ बना पाना तथा दैनिक जीवन की सरल समस्याएँ हल कर पाना।	I																														
	II																														
इकाई में इकाई के गुणा की समझ बनाना तथा 2 से 5 तक पहाड़े बनाना व याद करना।	I																														
	II																														
मापन की समझ																															
अमानक इकाइयों में अनुमान लगाना एवं मापकर सही होने की पुष्टि करना।	I																														
	II																														
चीज़ों की मात्रा को मापने के लिए मानक इकाइयों की आवश्यकता महसूस करना।	I																														
	II																														
मानक इकाइयों में मापन करने, संक्रियाएँ करने एवं तुलना करने की समझ बनाना।	I																														
	II																														
दो तिथियों के बीच के समय की गणना कर पाना। जैसे– जन्म तिथि से उम्र की गणना कर पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

द्वितीय टर्म तक सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																														
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																														
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																														
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																														
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																														
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																														
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																														
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																														
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																														
गणित के प्रति रुझान																														
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																														
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																														
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																														

पाठ / अवधारणा / थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–4 : तृतीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना।	I																														
	II																														
अपेक्षाकृत बड़ी एवं थोड़ी जटिल आकृति वाली चीज़ों को ऊपर से व सामने से विजुअलाइज़ कर पाना। जैसे– बस व घर आदि।	I																														
	II																														
सरल अमूर्त आकृतियों में सममिति खोज पाना। जैसे– अंग्रेजी वर्ण एवं शब्द, रोमन संख्यांक एवं आइने की सहायता से चित्रों एवं डिज़ाइन आदि की सममित अक्ष खोज पाना।	I																														
	II																														
सममिति को परिवेशीय संदर्भों में खोज पाना एवं सममिति होने के लिए तर्क दे पाना।	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
तीन अंकों तक की संख्याओं की पुख्ता समझ बना पाना एवं चार अंकों की संख्याओं से परिचित हो पाना।	I																														
	II																														
999 तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।	I																														
	II																														
भिन्न की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ रख पाना एवं तुलना कर पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
तीन अंकों की संख्याओं में हाँसिल का जोड़ मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।	I																														
	II																														
तीन अंकों की संख्याओं के लिए जोड़ पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर हल करना।	I																														
	II																														
तीन अंकों की संख्याओं में उधार का घटाना मानक प्रचलित कलन विधि से करना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
तीन अंकों की संख्याओं में उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर हल करना।	I																														
	II																														
दहाई में दहाई का गुणा की अवधारणात्मक समझ ठोस व चित्रों की सहायता से बंटन विधि एवं कलन विधि से निरूपित करना।	I																														
	II																														
बार–बार घटाने के रूप में भाग को ठोस चीज़ों के द्वारा कर पाना।	I																														
	II																														
मापन की समझ																															
मानक इकाइयों में मापन करने एवं तुलना करने की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
चीज़ों की मात्रा का मानक इकाइयों में अनुमान लगाना एवं मापकर सही होने की पुष्टि करना।	I																														
	II																														
नैट (ग्राफ) पर सरल आकृतियों वाले चित्र एवं आकृतियों के क्षेत्रफल का अनुमान लगाना एवं खाने गिनकर सही होने की पुष्टि करना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
चित्रों एवं आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें आगे बढ़ा पाना।	I																														
	II																														
विविध भौतिक राशियों के मापन सम्बन्धी आँकड़े संकलित कर पाना एवं व्यवस्थित कर तुलना कर पाना।	I																														
	II																														
संख्याओं में पहाड़ों से बने पैटर्न, जोड़–घटा से बने सरल पैटर्न को खोज पाना एवं दिए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–4 : चतुर्थ टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

चतुर्थ टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
अपेक्षाकृत बड़ी एवं थोड़ी जटिल आकृति वाली चीज़ों को ऊपर से व सामने से विजुअलाइज़ कर पाना। जैसे–बस व घर आदि।	I																														
	II																														
आइने की सहायता से चित्रों एवं डिज़ाइन का सममित अक्ष खोज पाना।	I																														
	II																														
त्रिविमीय व द्विविमीय आकृतियों के संयोजन से चित्रों की रचना कर पाना।	I																														
	II																														
घन, घनाभ एवं बेलन के पृष्ठीय विकास को समझ पाना एवं ट्रेसिंग से रचना कर पाना।	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
तीन अंकों तक की संख्याओं की पुख्ता समझ बना पाना एवं चार अंकों की संख्याओं से परिचित हो पाना।	I																														
	II																														
999 तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।	I																														
	II																														
भिन्न की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना एवं तुलनाएँ कर पाना। जैसे– ठोस व चित्रों से।	I																														
	II																														
गिनती के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– पुस्तकालय में अमुक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
तीन अंकों की संख्याओं में हाँसिल का जोड़ मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।	I																														
	II																														
तीन अंकों की संख्याओं के लिए जोड़ पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर हल करना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
तीन अंकों की संख्याओं में उधार का घटाना मानक प्रचलित कलन विधि से करना।	I																														
	II																														
तीन अंकों की संख्याओं में उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर हल करना।	I																														
	II																														
दहाई में दहाई का गुणा की अवधारणात्मक समझ ठोस व चित्रों की सहायता से बंटन विधि एवं कलन विधि से निरूपित कर बना पाना।	I																														
	II																														
जोड़, घटा व गुणा पर आधारित समस्याओं को संख्या रेखा पर हल कर पाना।	I																														
	II																														
बार–बार घटाने के रूप में भाग को ठोस चीज़ों के द्वारा कर पाना।	I																														
	II																														
मापन की समझ																															
विविध भौतिक राशियों के संदर्भ में मानक इकाइयों में मापन करने एवं तुलना करने की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
नैट (ग्राफ) पर सरल आकृतियों वाले चित्र एवं आकृतियों के परिमाप का अनुमान लगा पाना एवं खाने गिनकर सही होने की पुष्टि कर पाना।	I																														
	II																														
मानक इकाइयों से परिमाप की गणना करने की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
चित्रों एवं आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें आगे बढ़ा पाना।	I																														
	II																														
विविध भौतिक राशियों के मापन सम्बन्धी आँकड़े संकलित कर पाना एवं व्यवस्थित कर तुलना करना।	I																														
	II																														
संख्याओं के पहाड़ों से बने पैटर्न, जोड़–घटा से बने सरल पैटर्न को खोज पाना एवं उन्हें आगे बढ़ा पाना।	I																														
	II																														

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा –1	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	टर्म																													
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़ की पहचान कर प्रश्न को हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर घटाव की पहचान कर प्रश्न को हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													

कक्षा –2	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	टर्म																													
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
**दहाई में दहाई के बिना हॉसिल के जोड़ पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
दहाई में दहाई के बिना उधार के घटाने पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													

कक्षा – 3	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	टर्म																													
* 1 से 500 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण कर पाना, विस्तारित रूप में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलना एवं अनुमान लगा पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
** तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हाँसिल व हाँसिल का जोड़ना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
हाँसिल के जोड़ पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना उधार एवं उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 5 तक पहाड़े तथा गुणन खण्डों की प्रारम्भिक समझ बना पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													

चतुर्थ टर्म तक सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																														
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																														
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																														
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																														
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																														
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																														
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																														
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																														
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																														
गणित के प्रति रुझान																														
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																														
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																														
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा : 5

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग	रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1			11			21		
2			12			22		
3			13			23		
4			14			24		
5			15			25		
6			16			26		
7			17			27		
8			18			28		
9			19			29		
10			20			30		

कक्षा–5 : प्रथम टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

प्रथम टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
कोण के सापेक्ष चीज़ों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई एवं एक तिहाई घूमने पर बनी स्थितियों को विजुअलाइज़ कर पाना।	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
रंग, आकार एवं चित्र संकेतीकरण से सर्वसम्भव संख्याओं को बनाने, पढ़ने, तुलना करने की समझ रख पाना।	I																														
	II																														
तीन या चार अंक दिए होने पर तीन/चार अंकों की सर्वसम्भव संख्याएँ बना पाना, जिनमें से किसी भी संख्या में कोई भी अंक दोहराया नहीं जाएं।	I																														
	II																														
गुणज व गुणन खण्ड की आरम्भिक समझ बना पाना तथा 6 से 10 तक पहाड़े बनाना व याद करना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
जोड़–घटाव की ड्रिल्स हल कर पाना एवं संक्रिया हल दिए होने पर उनमें से सही हल को खोज पाना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
चित्रों व आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोज पाना एवं उन्हें समझ के साथ आगे बढ़ा पाना व नए पैटर्न बना पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														
सरलतम और प्रारम्भिक अवधारणा के परिचयात्मक स्तर पर दण्ड आलेख व चित्रालेख की रचना कर पाना।	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

कक्षा–5 : द्वितीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

द्वितीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
कोण के सापेक्ष चीज़ों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनी स्थितियों को विजुअलाइज़ कर पाना।	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
रंग, आकार एवं चित्र संकेतीकरण से सर्वसम्भव संख्याओं को बनाने, पढ़ने, तुलना करने की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
तीन या चार अंक दिए होने पर तीन/चार अंकों की सर्वसम्भव संख्याएँ अंकों की पुनरावृत्ति किए बिना बना पाना।	I																														
	II																														
गुणज व गुणन खण्ड की आरम्भिक समझ बना पाना तथा 6 से 10 तक पहाड़े बनाना व याद करना।	I																														
	II																														
भिन्नों का संख्या रेखा पर निरूपण कर पाना एवं उनकी तुलना कर पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
जोड़ की संक्रिया पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर प्रश्न हल करना।	I																														
	II																														
घटाव की संक्रिया पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर प्रश्न हल करना।	I																														
	II																														
जोड़ की ड्रिल्स कर पाना एवं संक्रिया का हल दिए होने पर उसमें से सही हल को खोज पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
घटाव की ड्रिल्स कर पाना एवं संक्रिया का हल दिए होने पर उसमें से सही हल को खोज पाना।	I																														
	II																														
दहाई में दहाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।	I																														
	II																														
मापन की समझ																															
अमानक इकाइयों की मदद से क्षेत्रफल की गणना कर पाना।	I																														
	II																														
मानक इकाइयों में मापन एवं तुलना समझ के साथ कर पाना।	I																														
	II																														
मानक इकाइयों के दैनिक जीवन में अनुप्रयोग की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
सरलतम और प्रारम्भिक अवधारणा के परिचयात्मक स्तर पर दण्ड आलेख व चित्रालेख की रचना कर पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														
कैलेण्डर व पहेलियों की मदद से संख्याओं के संक्रिया आधारित पैटर्न खोजने, आगे बढ़ाने एवं नए पैटर्न बनाने की समझ बनाना।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

द्वितीय टर्म तक सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																														
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																														
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																														
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																														
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																														
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																														
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																														
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																														
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																														
गणित के प्रति रुझान																														
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																														
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																														
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–5 : तृतीय टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....

तृतीय टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
कोण के सापेक्ष चीज़ों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनी स्थितियों को विजुअलाइज़ कर पाना।	I																														
	II																														
कोण बनने की स्थितियों, कोणों के प्रकारों एवं उनकी रचना व मापन करने की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
कोण की रचना सम्बन्धी क्रियात्मक कार्यों को कर पाना।	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
रंग, आकार एवं चित्र संकेतीकरण एवं चार अंक दिए होने पर हजार तक की संख्याओं को बनाने, पढ़ने, तुलना करने की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
गुणज व गुणनखण्ड की प्रारम्भिक समझ बना पाना तथा 11 से 15 तक पहाड़े बनाना व याद करना।	I																														
	II																														
भिन्नों का संख्या रेखा पर निरूपण कर पाना एवं उनकी तुलना कर पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
जोड़ की संक्रिया पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर प्रश्न हल करना।	I																														
	II																														
घटाव की संक्रिया पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर प्रश्न हल करना।	I																														
	II																														
जोड़ की ड्रिल्स कर पाना एवं संक्रिया का हल दिए होने पर उसमें से सही हल को खोज पाना।	I																														
	II																														
घटाव की ड्रिल्स कर पाना एवं संक्रिया का हल दिए होने पर उसमें से सही हल को खोज पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
दहाई में दहाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।	I																														
	II																														
मापन की समझ																															
मानक इकाइयों के दैनिक जीवन में अनुप्रयोग की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
मानक इकाइयों में मापन एवं तुलना कर पाना।	I																														
	II																														
मापन की बड़ी इकाइयों एवं छोटी इकाइयों के बीच अन्तर्सम्बन्ध की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
चित्रों व आकृतियों के अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोजने एवं उन्हें आगे बढ़ाने तथा नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
सरलतम और प्रारम्भिक अवधारणा के परिचयात्मक स्तर पर व चित्रालेख की रचना कर पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														
संख्याओं के संक्रिया आधारित अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोजने एवं उन्हें आगे बढ़ाने तथा नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाा। जैसे– अंकों के जादू, पहेली।	I																														
	II																														
	I																														
	II																														
	I																														
	II																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

कक्षा–5 : चतुर्थ टर्म

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

समूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

समूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

समूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

चतुर्थ टर्म : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा : 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
आकृति एवं स्थान की समझ																															
कोण के सापेक्ष चीज़ों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनने वाली स्थितियों को विजुअलाइज़ कर पाना।	I																														
	II																														
कोण बनने की स्थितियों, कोणों के प्रकारों एवं उनकी रचना व मापन करने की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
कोण की रचना सम्बन्धी क्रियात्मक कार्यों को कर पाना।	I																														
	II																														
संख्या ज्ञान की समझ																															
रंग, आकार एवं चित्र संकेतीकरण एवं चार अंक दिए होने पर हजार तक की संख्याओं को बनाने, पढ़ने, तुलना करने की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
गुणज व गुणनखण्ड की प्रारम्भिक समझ बना पाना तथा सबसे छोटे समान गुणज एवं सबसे बड़े गुणनखण्ड को खोज पाना तथा दैनिक जीवन की समस्याएँ हल कर पाना।	I																														
	II																														
भिन्नों को चित्रों से निरूपित कर पाना एवं तुलना कर पाना।	I																														
	II																														
संख्या रेखा पर भिन्नों (आधे, चौथाई व तीन चौथाई हिस्से) को निरूपित कर पाना।	I																														
	II																														
संक्रियाओं की समझ																															
जोड़ की संक्रिया पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर प्रश्न हल करना।	I																														
	II																														
घटाव की संक्रिया पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर प्रश्न हल करना।	I																														
	II																														
दहाई में दहाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।	I																														
	II																														

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	आवृत्ति	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सैंकड़े में दहाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।	I																														
	II																														
चारों संक्रियाओं के हल किए गए प्रश्नों में त्रुटि को खोजने, सुधार करने एवं सही उत्तर का चयन करने की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
तीन या चार अंकों की संख्या में एक अंक की संख्या के भाग को मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।	I																														
	II																														
हजार में इकाई के भाग पर आधारित इबारती प्रश्न की इबारत पढ़कर हल को गणितीय रूप में व्यक्त कर पाना।	I																														
	II																														
मापन की समझ																															
मानक इकाइयों के दैनिक जीवन में अनुप्रयोग की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
मानक इकाइयों में मापन एवं तुलना करने की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
मापन की बड़ी इकाइयों एवं छोटी इकाइयों के बीच अन्तर्सम्बन्ध की समझ बना पाना।	I																														
	II																														
परिमाप व क्षेत्रफल के अन्तर को इनके अनुप्रयोग द्वारा समझ के साथ बता पाना।	I																														
	II																														
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																															
सरलतम और प्रारम्भिक अवधारणा के परिचयात्मक स्तर पर दण्डालेख व चित्रालेख की रचना कर पाना।	I																														
	II																														
परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना।	I																														
	II																														
संख्याओं के संक्रिया आधारित अपेक्षाकृत जटिल पैटर्न खोजने, उन्हें आगे बढ़ाने एवं नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना। जैसे– अंकों के जादू, पहेली, कैलेण्डर की संख्याओं के पैटर्न।	I																														
	II																														

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा –1	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	टर्म																													
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़ की पहचान कर प्रश्न को हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर घटाव की पहचान कर प्रश्न को हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													

कक्षा –2	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	टर्म																													
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
**दहाई में दहाई के बिना हॉसिल के जोड़ पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
दहाई में दहाई के बिना उधार के घटाने पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													

कक्षा – 3	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	टर्म																													
* 1 से 500 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण कर पाना, विस्तारित रूप में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलना एवं अनुमान लगा पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
** तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हाँसिल व हाँसिल का जोड़ना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
हाँसिल के जोड़ पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना उधार एवं उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 5 तक पहाड़े तथा गुणन खण्डों की प्रारम्भिक समझ बना पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													

कक्षा – 4	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	टर्म																													
* तीन अंकों तक की संख्याओं की पुख्ता समझ बना पाना एवं चार अंकों की संख्याओं से परिचित हो पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
999 तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
भिन्न की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना एवं तुलनाएँ कर पाना। जैसे– ठोस व चित्रों से।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
गिनती (क्रमागत संख्याओं) के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– पुस्तकालय में अमुक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
** दहाई में दहाई के गुणा की अवधारणात्मक समझ ठोस व चित्रों की सहायता से बंटन विधि एवं कलन विधि से निरूपित कर बना पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
2 से 10 तक पहाड़े बनाना एवं याद कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
चारों संक्रियाओं पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर समस्या हल कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													
बार–बार घटाने के रूप में भाग को ठोस चीज़ों के द्वारा कर पाना।		I																													
		II																													
		III																													
		IV																													

चतुर्थ टर्म तक सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																														
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																														
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																														
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																														
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																														
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																														
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																														
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																														
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।																														
गणित के प्रति रुझान																														
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																														
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																														
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																														

पाठ/अवधारणा/थीम	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक .....से .....तक

सम्पूर्ण कक्षा के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

समूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

II. समूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

समूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

.....

.....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

शिक्षण योजना की समीक्षाः सीखने–सिखाने की प्रक्रिया के दौरान आई समस्या, समाधान एव उपलब्धि के सन्दर्भ में

साप्ताहिक : समयान्तराल ..... से ..... तक	पाक्षिक : समयान्तराल ..... से ..... तक
बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं योजना में आवश्यक बदलाव के बारे में :–	बच्चों की सहभागिता, सीखने–सिखाने में आई कठिनाई एवं अधिगम उपलब्धि के बारे में :– .....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

'स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटी एज्यूकेशन' (S.I.Q.E.) के विकास एवं क्रियान्वयन में सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

बोध शिक्षा समिति

यूनिसेफ, जयपुर

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद्